हिन्दी विभाग

शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

पाठ्यक्रम

सत्र 2020–2021

बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.सी. भाग–एक, दो, तीन – हिन्दी भाषा

बी.ए.भाग – एक, दो, तीन – हिन्दी साहित्य

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात्कोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2020–2021 हेतु अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित स्नातक हिन्दी भाषा एवं हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

शैक्षणिक सत्र 2020–2021हेतु स्नातक हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

बी. ए./ बी.एस.सी/ बी. कॉम. – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष हिन्दी भाषा

बी. ए. प्रथम हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र	:	प्राचीन हिन्दी काव्य
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	हिन्दी कथा – साहित्य

बी. ए. द्वितीय हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य–विधाएँ

बी. ए. तृतीय हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र	:	जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग–विवेचन

स्नातक पाठयकमों के लिए केंद्रीय अध्ययन मण्डल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग.शासन द्वारा विषय वस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन सम्बंधी निर्देश जारी किए जाने पर तदनुसार पाठयक्रम लागू होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

(R.K. Pandey)

विभागाध्यक्ष हिन्दी	:– डॉ. अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. राजेश दुबे	डॉ. शंकर निषाद
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. आर.के.पाण्डेय	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. कैलाश शर्मा	प्रो.थानसिंह वर्मा
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि	:– श्री दुर्गाप्रसाद पारकर	डॉ. जयप्रकाश साव
अन्य विभाग के प्राध्यापक	:– डॉ. सुचित्रा गुप्ता	डॉ. कृष्णा चटर्जी
		छात्रप्रतिनिधि – श्री युगेश देशमुख

विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क,ख, तथा ग) होंगे ।
2. खण्ड 'क' में वस्तुनिष्ठ (खाली स्थान भरो) तथा अति लघूत्तरी (एक अथवा दो पंक्तियों में उत्तर) प्रश्न होंगे । बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।
3. खण्ड 'ख' में लघूत्तरी प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों की सीमा में लिखना होगा ।
4. खण्ड 'ग' में दीर्घ उत्तरी/विवरणात्मक आलोचनात्मक प्रश्न होंगे । परीक्षार्थी इनके उत्तर सटीक ढंग से तथा अधिकतम 350 शब्दों में देंगे ।
5. विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय– सामग्री का समग्र अध्ययन अपेक्षित है ।
6. स्नातक कक्षाओं के लिये अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्राप्त अंकों के 90 प्रतिशत के साथ जोड़ा जायेगा।

अंक विभाजन

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन निम्नानुसार है –
प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे)		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

- हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :-

विभागाध्यक्ष हिन्दी	:-	डॉ. अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ	:-	डॉ. राजेश दुबे	डॉ. शंकर निषाद
विषय विशेषज्ञ	:-	डॉ. आर.के.पाण्डेय	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ	:-	डॉ. कैलाश शर्मा	प्रो.श्यामसिंह वर्मा
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि	:-	श्री दुर्गाप्रसाद पारकर	डॉ. जयप्रकाश साव
अन्य विभाग के प्राध्यापक	:-	डॉ. सुचित्रा गुप्ता	डॉ. कृष्णा चटर्जी
			छात्रप्रतिनिधि – श्री युगेश देशमुख

स्नातक हिन्दी भाषा हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2020–2021

कक्षा	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
स्नातक प्रथम वर्ष	हिन्दी भाषा	75	26
स्नातक द्वितीय वर्ष	हिन्दी भाषा	75	26
स्नातक तृतीय वर्ष	हिन्दी भाषा	75	26

अंक विभाजन
प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.ए. / बी.कॉम. / बी.एस.सी. भाग – एक

सत्र 2020–2021

हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम कोड : **FCH-01**

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यर्थियों को–

1 **हिंदी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।**

2 **कंप्यूटर में हिंदी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कंप्यूटर की कार्यप्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिये प्रेरित करना।**

3 **हिंदी व्याकरण के बुनियादी ज्ञान,सम्प्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।**

4 **साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रुझान उत्पन्न करना।**

पाठयक्रम विवरण :

इकाई 1 (क) पल्लवन, पत्राचार एवं अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली, हिन्दी में पदनाम
(ख) ईदगाह (कहानी) – प्रेमचंद

इकाई 2 (क) शब्द–शुध्दि, वाक्य शुध्दि, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिये एक शब्द। मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।
(ख) भारत वन्दना (कविता) – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

लइकाई 3 (क) देवनागरी लिपि नामकरण, स्वरूप एवं विशेषताएँ
हिन्दी अपठित गद्यांश, संक्षेपण, हिन्दी में संक्षिप्तीकरण।
(ख) भोलाराम का जीव (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

इकाई 4 (क) कम्प्यूटर का परिचय एवं कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग,
(ख) शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र

इकाई 5 (क) मानक हिन्दी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक भाषा
(ख) सामाजिक गतिशीलता – प्राचीन काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :
1. हिंदी में प्रयोजनात्मक तथा कार्यशील भाषा के प्रति सजग होंगे।
2. भाषा–संबंधी संभावित अशुद्धियों से परिचित हो सकेंगे तथा मानक भाषा का व्यवहार करने में सक्षम हो सकेंगे।
3. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता तथा कंप्यूटर में उसके अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।
4. हिंदी साहित्य के पठन–पाठन के प्रति रुचि जागृत हो सकेगी।
5. छत्तीसगढ़ की स्थानीय संस्कृति और उसके वैभव से परिचित हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम का औचित्य –

व्याकरण के बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ

1. भारतीयता के अमर स्वर – डॉ. धनंजय वर्मा (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

संदर्भ ग्रंथ

1. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी (ग्रंथ अकादमी, पटना)
2. कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन (तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.ए. / बी.कॉम. / बी.एस.सी. भाग – दो
सत्र 2020–2021
हिन्दी भाषा
पाठ्यक्रम कोड : **FCH-02**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यर्थियों को–

1 **हिंदी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।**

2 **कंप्यूटर में हिंदी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कंप्यूटर की कार्यप्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिये प्रेरित करना।**

3 **हिंदी व्याकरण के बुनियादी ज्ञान सम्प्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।**

4 **साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रुझान उत्पन्न करना।**

इकाई 1. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप–
कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा
महात्मा गांधी – चोरी और प्रायश्चित

इकाई 2. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप–
वित्त एवं वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा
आचार्य नरेन्द्र देव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई 3. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण।
वासुदेवशरण अग्रवाल – मातृभूमि

इकाई 4. समास, संधि एवं संक्षिप्तियाँ ।
पं. माधवराव सप्रे – सम्भाषण – कुशलता

इकाई 5. अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद ।
हरि ठाकुर – डॉ.खूबचंद बघेल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी
1. स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक परिप्रेक्ष्य और महापुरुषों के चिंतन के विषय में जान सकेंगे।
2. भारतवर्ष के सांस्कृतिक अतीत और परम्परा के विषय में जान सकेंगे।
3. प्रयोजनात्मक भाषा की सामान्य जानकारी और समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिंदी की व्याकरण की कोटियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. सटीक और निर्दोष हिंदी भाषा लिखने का कौशल सीख सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1x10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा और संस्कृति सम्पादक – डॉ. राजेन्द्र मिश्र , डॉ. विनय दुबे (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.ए. / बी.कॉम. / बी.एस.सी. भाग – तीन
सत्र 2020–2021
हिन्दी भाषा
(सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान)
पाठ्यक्रम कोड : FCH-03

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. **हिंदी के साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित करना।**
2. **भारत की समाजिक-आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।**
3. **हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना तथा उनके सम्प्रेषण-कौशल में वृध्दि करना।**
4. **कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।**

इकाई 1	(क)	कथन की शैलियाँ	:	रचनागत, उदाहरण और प्रयोग
	(ख)	भारत माता	:	सुमित्रानंदन पंत
		परशुराम की प्रतीक्षा	:	रामधारी सिंह दिनकर
		बहुत बड़ा सवाल	:	मोहन राकेश
		संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण	:	योगेश अटल
इकाई 2	(क)	विभिन्न संरचनाएँ		
	(ख)	विकासशील देशों की समस्याएँ – मानव विकास प्रतिवेदन, विकासात्मक पुनर्विचार – कल्याण के प्रश्न, प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण		
इकाई 3	(क)	कार्यालयीन पत्र और आलेख।		
	(ख)	आधुनिक तकनीकी सभ्यता, पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास		
इकाई 4	(अ)	अनुवाद – परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व		
	(ख)	जनसंख्या भारत के संदर्भ में, गरीबी तथा बेरोजगारी		
इकाई 5	(क)	घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र ।		
	(ख)	ऊर्जा, शक्तिमानता का अर्थशास्त्र		

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी का
1. हिंदी के साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. भारत की सामाजिक–आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में ज्ञान विकसित होगा।
3. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा तथा उसके सम्प्रेषण–कौशल में वृध्दि हो सकेगी।
4. कामकाजी भाषा लिखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
5. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	**प्रश्न का प्रकार**		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी – प्रधान सम्पादक डॉ. धनंजय वर्मा
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

स्नातक प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2020–2021

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
प्रश्नपत्र प्रथम	प्राचीन हिन्दी काव्य	75	25
प्रश्नपत्र द्वितीय	हिन्दी कथा साहित्य	75	25
	पूर्णांक	150	50

अंक विभाजन
प्रश्नपत्र का अंक विभाजन निम्नानुसार है –
प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – एक
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
प्राचीन हिन्दी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : **BHN-01**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. **मध्यकालीन साहित्य से आरंभिक परिचय प्रदान करना।**
2. **मध्यकालीन हिंदी साहित्य की मूल संवेदना तथा उसके भाषिक स्वरूप से अवगत कराना।**
3. **भारतीय संस्कृति, विशेषतः भक्तियुगीन संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति रुझान उत्पन्न करना।**
4. **मध्यकालीन लोकजागरण की महान परम्परा से अवगत कराना।**

इकाई 1. क. कबीर (कबीर – सं. कांति कुमार जैन) प्रारंभिक 50 साखियाँ ।
ख. द्रुतपाठ : विद्यापति

इकाई 2. क. मलिक मोहम्मद जायसी (संक्षिप्त पद्मावत – सं. श्यामसुंदर दास) 'नागमती वियोग वर्णन'
ख. द्रुतपाठ : रहीम

इकाई 3. क. सूरदास (भ्रमरगीत सार – सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 30 दोहे,चौपाई, छंद सहित
ख. द्रुतपाठ : रसखान

इकाई 4. क. तुलसीदास (रामचरित मानस का सुंदरकाण्ड) प्रारंभिक 25 दोहे – चौपाई

इकाई 5. क. घनानंद (घनानंद – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 25 छंद
ख. भक्तिकाल – उद्भव एवं विकास

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी
1. मध्यकालीन साहित्य से आरंभिक परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मध्यकालीन हिंदी काव्य–भाषा से परिचित हो सकेंगे
3. हिंदी की साहित्यिक परंपरा का आरंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
4. भारतीय संस्कृति, विशेषतः भक्तियुगीन संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति संवेदनशील होंगे।
5. हिंदी की भक्तियुगीन साहित्यिक विरासत के प्रति गौरव का अनुभव कर सकेंगे।

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के खण्ड 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे।
निबंधात्मक प्रश्न केवल खण्ड 'क' से पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन
प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूतरी प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूतरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (अधिकतम 350 षब्द)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ – प्राचीन हिन्दी काव्य :– संपादक डॉ. सत्यभामा आडिल
छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – एक
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – द्वितीय
हिन्दी कथा साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : **BHN-02**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

1. हिंदी-कथा-साहित्य के क्रमिक विकास की जानकारी [illegible] प्रदान करना।
2. आधुनिक आख्यान-पद्धति, विशेषतः प्रेमचंद के आख्यान-कौशल और उनकी सामाजिक संवेदनशीलता से परिचित कराना।
3. हिंदी में कहानी-विधा के स्वरूप की सामान्य समझ और उसकी सौंदर्य-पद्धति से अवगत कराना।
4. कथा-साहित्य के अध्ययन के प्रति उन्मुख हो सकेंगे।

इकाई – 1. (क) उपन्यास :–
प्रेमचन्द : गबन

इकाई –2. (क) कहानी :–
प्रेमचन्द : कफन
जयशंकर प्रसाद : आकाशदीप
यशपाल : परदा
(ख) द्रुतपाठ – उपेन्द्रनाथ अश्क

इकाई –3. (क) कहानी :–
1. फणीश्वरनाथ रेणु : ठेस
2. मोहन राकेश : मलबे का मालिक
3. भीष्म साहनी : चीफ की दावत
(ख) द्रुतपाठ – बालशौरी रेड्डी

इकाई –4. (क) कहानी :–
1. गुलशेर खाँ 'शानी' : जली हुई रस्सी
2. रांगेय राघव : गदल
(ख) द्रुतपाठ – शिवानी

इकाई – 5. (क) हिन्दी उपन्यास एवं कहानी उद्भव एवं विकास

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी ,
1. हिंदी कथा साहित्य के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. प्रेमचंद के आख्यान–कौशल और उनकी सामाजिक संवेदनशीलता से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी में कहानी विधा के स्वरूप का ज्ञान और उसके सौंदर्य का आस्वाद प्राप्त कर सकेंगे।
4. कथा–साहित्य के प्रति रुचि विकसित कर सकेंगे।
5. कथा–भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के खण्ड 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल खण्ड 'क' से पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा।

क्र.	**प्रश्न का प्रकार**		**अंक**
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ

हिन्दी कथासाहित्य : संपादक डॉ. सत्यभामा आडिल
छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

स्नातक द्वितीय वर्ष हिन्दी साहित्य हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2020–2021

प्रश्न प्रत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
प्रश्न प्रत्र प्रथम	अर्वाचीन हिन्दी काव्य	75	25
प्रश्न प्रत्र द्वितीय	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य–विधाएँ	75	25
	पूर्णांक	150	50

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

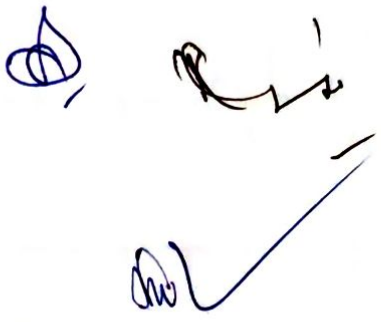

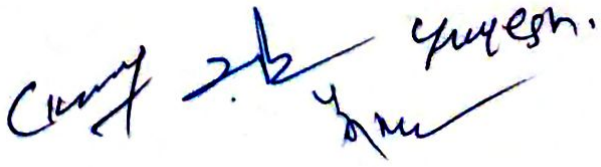

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – दो
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
अर्वाचीन हिन्दी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : **BHN-03**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. **हिंदी की आधुनिक कविता के स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।**
2. **छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना।**
3. **छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि और समझ प्रदान करना।**
4. **हिंदी-कविता के प्रति रुचि-परिष्कार की दिशा में अभिमुख करना।**

इकाई – 1. (क) 1. आधुनिक काव्यधारा का इतिहास
(राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
(ख) 2. मैथिलीशरण गुप्त–'भारत भारती' की कविताएं (शिक्षा, शुभकामना)

इकाई –2. (क) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–
1 सखि बसन्त आया। 2 वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
3 राजे ने अपनी रखवाली की। 4 तोड़ती पत्थर।
5 हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र।

(ख) द्रुतपाठ : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

इकाई –3. (क) सुमित्रानंदन पंत –
1 बादल
2 परिवर्तन 2 पद (1. खोलता इधर जन्मलोचन, 2. आज का दुःख कल का आह्लाद)
3 ताज
4 झंझा में नीम
5 भारत माता

(ख) द्रुतपाठ : सुभद्रा कुमारी चौहान –

इकाई –4. (क) माखन लाल चतुर्वेदी
1 बलिपंथी से
2 सांझ और ढोलक की थापें
3 मैं बेच रही हूँ, दही
4 उलाहना
5 निःशस्त्र सेनानी

(ख) द्रुतपाठ : श्रीकांत वर्मा

इकाई –5. (क) स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय
1 सबेरे उठा तो धूप खिली थी
2 साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
3 घर
4 चांदनी जी लो
5 दूर्वांचल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को
1. हिंदी की आधुनिक कविता के विकासक्रम के विषय में सामान्य जानकारी हो सकेगी। ।
2. छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दृष्टि और प्रेरणा प्राप्त हो सकेगी।
3. छायावादोत्तर काव्य के राष्ट्रवादी स्वर को समझने में सहायता मिल सकेगी।
4. प्रयोगवादी कविता को समझने के सूत्र प्राप्त हो सकेंगे।
5. हिंदी–कविता के प्रति रुचि के परिष्कार की दृष्टि अर्जित कर सकेंगे।

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के खण्ड 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल खण्ड 'क' से पूछे जाएंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।
प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :– अर्वाचीन हिन्दी काव्य, : प्र.स. राजेन्द्र मिश्र / सं. जयप्रकाश
छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – दो
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – द्वितीय
हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ
पाठ्यक्रम कोड : BHN-04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. **हिंदी-गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे।**
2. **हिंदी-नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप, संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रतिवादी स्वभाव से अवगत कराना।**
3. **हिंदी-एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना।**
4. **हिंदी-निबंध के स्वरूप और सौंदर्य से अवगत कराना।**

इकाई –1. नाटक – अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई –2. (क) निबंध –

क्रोध	–	आचार्य रामचंद्र षुक्ल
बसंत आ गया है	–	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उस अमराई ने राम–राम कही है	–	डॉ. विद्यानिवास मिश्र

(ख) द्रुतपाठ – राहुल सांस्कृत्यायन

इकाई –3. (क) निबंध –

काव्येशु नाटकं रम्यम्	–	बाबू गुलाब राय
बेईमानी की परत	–	हरिशंकर परसाई
(ख) द्रुतपाठ	–	महादेवी वर्मा

इकाई –4. (क) एकांकी –

औरंगजेब की आखिरी रात	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
स्ट्राइक	–	भुवनेश्वर
(ख) द्रुतपाठ	–	हबीब तनवीर

इकाई –5.	एक दिन	–	लक्ष्मीनारायण मिश्र
	दस हजार	–	उदय शंकर भट्ट
	मम्मी ठकुराईन	–	डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी
1.हिंदी–गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे।
2. हिंदी–नाटक के आरंभिक दौर में उसके उपनिवेश–विरोधी स्वभाव के बारे में जान सकेंगे।
3. हिंदी–एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. हिंदी–निबंध के स्वरूप और सौंदर्य से परिचय हो सकेगा।

5. गद्य–साहित्य और उसकी परम्परा के प्रति रुचि विकसित कर सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	**प्रश्न का प्रकार**		**अंक**
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :– हिन्दी निबंध तथा अन्य विधाएँ : सं. विनोदशंकर शुक्ल
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

स्नातक तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2020–2021

प्रश्न पत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
प्रश्न पत्र	जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	75	25
प्रश्न पत्र	हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग–विवेचन	75	25
	पूर्णांक	150	50

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
पाठ्यक्रम कोड : BHN-05

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. **छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिमुख और जागरूक करना।**
2. **छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का आरंभिक परिचय प्रदान करना।**
3. **छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव और उसके वैशिष्ट्य के विषय में सामान्य समझ विकसित करना तथा उसके प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न करना।**
4. **छत्तीसगढ़ी साहित्य में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।**

इकाई –1. क. प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद –
गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो ।
नैन आगे ख्याल धनेरा ।
भजन करौ भाई रे, ।
(सन्दर्भ – धर्मदास की पदावली से उद्धृत)

इकाई –2. क. लखनलाल गुप्त का गद्य – सोनपान (गद्य पुस्तक 'सोनपान' से उद्धृत)
डॉ. सत्यभामा आडिल – सीख सीख के गोठ (गद्य पुस्तक 'गोठ' से उद्धृत)
ख. द्रुतपाठ – सुन्दरलाल शर्मा

इकाई –3. क. डॉ. विनय पाठक की कविताएँ
तँय उठथस सुरूज उथे
एक किसिम के नियाव (अकादसी अऊ अनचिन्हार पुस्तक से उद्धृत)
ख. द्रुतपाठ – कपिलनाथ कश्यप

इकाई –4. क. मुकुन्द कौशल – छत्तीसगढ़ी गजल
"छै बित्ता के मनखे देखो ..... छोटे छोटे मछरीमन ल खा लेथे।
(पुस्तक छत्तीसगढ़ी गजल के पृष्ठ 17 से उद्धृत)
ख. द्रुतपाठ – रामचन्द्र देशमुख

इकाई –5. क. छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य का इतिहास।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में
1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिरुचि और सजगता विकसित होगी।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव के विषय में सामान्य समझ विकसित हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
5. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा।

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के अंक 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल अंक 'क' से पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्र न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ

जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी) : प्र. सं. डॉ. सत्यभामा आडिल
डॉ. तेजराम दिल्लीवार
डॉ. श्रीमती सविता मिश्रा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन
प्रश्न पत्र – द्वितीय
पाठ्यक्रम कोड : BHN-06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पूर्णांक : 75

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. **हिंदी-भाषा की उत्पत्ति तथा उसके ऐतिहासिक विकास की समुचित जानकारी प्रदान करना।**
2. **हिंदी-भाषा के विविध रूपों के व्यावहारिक तथा अनुप्रयोगात्मक पक्ष का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।**
3. **हिंदी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।**
4. **हिंदी-समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास के समानांतर हिंदी-भाषा और साहित्य के विकास-क्रम की समझ प्रदान करना।**

इकाई 1. हिन्दी भाषा का स्वरूप – विकास : हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएं तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास । हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप –

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द – भण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली ।

इकाई 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : प्राचीन काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 3. मध्यकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियां तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 4. आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 5. काव्यांग : काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग तथा उदाहरण ।

प्रमुख 5 छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया ।
शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरूक्ति प्रकाश ।
अर्थालंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. **हिंदी–भाषा की उत्पत्ति तथा उसके ऐतिहासिक विकास का समुचित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
2. **हिंदी–भाषा के विविध रूपों के व्यावहारिक तथा अनुप्रयोगात्मक पक्ष का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
3. **हिंदी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से परिचित हो सकेंगे।**
4. **हिंदी–समाज के सामाजिक–सांस्कृतिक विकास के समानांतर हिंदी–भाषा और साहित्य के विकास–क्रम की समझ प्राप्त कर सकेंगे।**
5. **काव्य–सृजन के सैद्धांतिक तथा शास्त्रीय स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।**

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक) – म.प्र.उ.शि. अनुदान आयोग, भोपाल

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिन्दी – मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
2. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष हिन्दी :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. राजेश दुबे

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. आर. के. पाण्डेय

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कैलाश शर्मा

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि

श्री दुर्गा प्रसाद पारकर

अन्य विभाग के प्राध्यापक

डॉ. सुचित्रा गुप्ता

विभागीय सदस्य

डॉ. शंकर निषाद

डॉ. बलजीत कौर

प्रो. थानसिंह वर्मा

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि
श्री युगेश देशमुख